लघु नाटक परिदृश्य

दो मिनट के लघु-नाटक परिदृश्य

सुविधादाता के लिए निर्देश: अपने सत्र में उपयोग करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा परिदृश्य चुनें। प्रत्येक समूह के लिए पर्याप्त प्रतियां प्रिंट करें ताकि उनके परिदृश्य की 2-3 प्रतियां हो सकें।

सत्र 4 हैंडआउट

लघु नाटक परिदृश्य

परिदृश्य:

सड़क पर एवं कार्यस्थल पर

एक महिला अपने ऑफ़िस को जा रही है. उसके कपड़ों से स्पष्ट है कि वह अल्पसंख्यक धाार्मिक पहचान रखती है. एक राहगीर उसके कपड़ों के कारण उसका उत्पीड़न करने लगता है. कोई भी उसकी मदद नहीं करता. उसे एक पुलिस अधिकारी दिखता है और वह उसे मदद के लिए बुलाती है. राहगीर भाग जाता है पर पुलिस अधिकारी उसकी किसी भी तरह मदद नहीं करता है. वह अपने ऑफ़िस पहुँचती है जहाँ उसका जूनियर कलीग अपने प्रमोशन का जश्न मना रहा है. एक बार फिर, प्रमोशन के लिए उस पर विचाार नहीं किया गया.

चरित्र

अनिवार्य पात्र: महिला, उत्पीड़क, पुलिस अधिकारी, राहगीर, कलीग

अतिरिक्त पात्र: अतिरिक्त कलीग और राहगीर

लघु नाटक परिदृश्य

परिदृश्य:

धार्मिक संस्थान

एक धार्मिक अल्पसंख्यक समूह ने एक भूखंड खरीदा है और उस पर एक धार्मिक संस्थान बनाने के लिए प्राधिकारियों से अनुमति ले ली है. वे निर्माण शुरू करते हैं, पर निर्माण स्थल पर बार-बार तोड़-फोड़ की जाती है. वे पुलिस और स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करते हैं, जो दावा करते हैं कि वे इस बारे में कुछ नहीं कर सकते. आखिरकार वे उस जगह का निर्माण तो करवा लेते हैं, लेकिन हर बार जब लोग वहाँ पूजा करने जाते हैं, तो उन्हें बहुसंख्यक समुदाय के सदस्यों द्वारा उत्पीड़न और धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ता है.

चरित्र

अनिवार्य पात्र: अल्पसंख्यक समूह के दो व्यक्ति, पुलिस अधिकारी, स्थानीय प्राधिकरण का प्रतिनिधि, बहुसंख्यक समूह के दो व्यक्ति.

अतिरिक्त पात्र: अल्पसंख्यक एवं बहुसंख्यक समूह के अन्य व्यक्ति.

सत्र 4 हैंडआउट

लघु नाटक परिदृश्य

परिदृश्य:

विद्यालय में FORB

अल्पसंख्यक समुदाय का 12 वर्ष का एक बालक एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पहुंचता है. आज का दिन विद्यालय का एक सामान्य दिन है. दिन की शुरूआत बहुसंख्यक समुदाय की धार्मिक प्रार्थना से होती है जिसमें इस बालक का सम्मिलित होना अनिवार्य है. प्रार्थना के पश्चात वह इतिहास के पाठ का अध्ययन करता है जहां शिक्षक पहले पाठ्यपुस्तक का एक अंश पढ़ता है और फिर इस बालक के अल्पसंख्यक धार्मिक समुदाय के बारे में अपमानजनक बातें कहता है. इस पाठ के बाद ब्रेक के दौरान उसके सहपाठी उसकी धार्मिक पहचान के कारण उसे धमकाते हैं और उसे अपने खेल में शामिल नहीं करते.

चरित्र

अनिवार्य पात्र: बालक, प्रार्थना संचालित करने वाला/इतिहास पढ़ाने वाला शिक्षक, दो सहपाठी.

अतिरिक्त पात्र: अतिरिक्त शिक्षक एवं सहपाठी

लघु नाटक परिदृश्य

परिदृश्य:

परिवार में FORB

एक 17 वर्षीय लड़की अध्यापक बनने हेतु प्रशिक्षण लेने के लिए यूनिवर्सिटी जाना चाहती है. उसके माता-पिता उसे इसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं. बल्कि, वे चाहते हैं कि वह परिवार के सम्मान को बचाने के लिए शादी कर ले. उनका यह तर्क है कि उनका धर्म लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा नहीं देता है क्योंकि पत्नियों की भूमिका घर में होने की होती है. लड़की इन आस्थाओं से सहमत नहीं है और अपने खुद के निर्णय लेना चाहती है. जबरन शादी के डर से वह घर से भाग जाती है और एक दूसरे शहर में अपनी से अधिक उम्र की एक महिला दोस्त के साथ रहने लगती है. उसका परिवार पुलिस को उसकी गुमशुदगी की सूचना देता है. पुलिस उसे ढूँढ निकालती है और उसकी इच्छा के विरुद्ध उसे उसके माता-पिता के पास वापस ले आती है. अगले दिन उसकी शादी एक ऐसे पुरुष से कर दी जाती है जिससे वह मिली तक नहीं है और उसे अब अपने घर से जाने की अनुमति नहीं है.

चरित्र

अनिवार्य पात्र: लड़की, उसके माता-पिता, उसकी मित्र, पुलिस अधिकारी, लड़की का पति

अतिरिक्त पात्र: परिवार के अन्य सदस्य, विवाह में शामिल होने वाले लोग, अतिरिक्त पुलिस अधिकारी

सत्र 4 हैंडआउट

लघु नाटक परिदृश्य

परिदृश्य:

आवाज़ उठाना - भ्रष्टाचार एवं हिंसा

एक राज्य संचालित यूनिवर्सिटी की एक महिला विद्यार्थी, अखबार को एक प्रोफ़ेसर द्वारा उसके यौन उत्पीड़न की सूचना देती है. एक विद्यार्थी पत्रकार मामले के बारे में यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर का इंटरव्यू लेता है. यूनिवर्सिटी मामले को छिपाना चाहती है, इसलिए सोशल मीडिया पर यह अफ़वाह फैला दी जाती है कि विद्यार्थी पत्रकार ने धार्मिक आस्था और धार्मिक नेताओं की आलोचना की है. एक हिंसक भीड़ विरोध-प्रदर्शन करने के लिए यूनिवर्सिटी में इकट्ठा हो जाती है और विद्यार्थी पत्रकार तथा अखबार पर ईशनिंदा का आरोप लगाती है. यूनिवर्सिटी इसे एक बहाने के रूप में इस्तेमाल कर विद्यार्थी अखबार को बंद कर देती है. पुलिस पत्रकार को ईशनिंदा के संदेह में गिरफ़्तार कर लेती है.

चरित्र

अनिवार्य पात्र: विद्यार्थी, पत्रकार, विश्वविद्यालय का प्राचार्य, भीड़ के दो सदस्य, पुलिस अधिकारी

अतिरिक्त पात्र: भीड़ में शामिल लोग